

बने दूल्हा मेरे भोले नाथ 385
 बने दूल्हा मेरे भोले नाथ
 भूतों की टोली, संग में चली
 बहुतों की टोली संग में चली

गांजा, भांग, घटूरा खाये
 नाँचे भूत चुड़ैलन गाये
 सजीं सबरी-
 सजीं सबरी सम्हर के चलीं

भूतों की टोली----

बहुतों की टोली----

नगर द्वार की अजब बनावट
 तोरण द्वार की राजब सजावट
 सजी फूलों से
 सजी फूलों से गली- गली

भूतों की टोली----

बहुतों की टोली----

जटों बीच- बीच गंगा सोहे
 माथे पे चंदा सबको मोहे
 माला नारों की-

माला नारों की गले में डली

भूतों की टोली----

बहुतों की टोली----

पीत कहौटी बाघम्बर साजे
 नंदी जी पे आप बिराजे
 कोटन देवताओं से-
 कोटन देवताओं से भरी हैं गली

भूतों की टोली----
 बहुतों की टोली----

हाथ त्रिशूल और डमरु सोहे
 श्रंगी के स्वर मन को मोहे
 बड़े भागों से-
 बड़े भागों से ये जोड़ी मिली

भूतों की टोली----
 बहुतों की टोली----

ब्रम्हा, विष्णु मिल के सोचें
 पैदल बराती खाली बाहन खेंचें
 पूरी नगरी में-
 पूरी नगरी में हंसी हो चली

भूतों की टोली----
 बहुतों की टोली----

आरती जो मैना करें मंगल गाकर
मगन भई गौरा वर को पाकर
मन की बगिया में-

मन की बगिया में खिली है कली

भूलों की टोली-----

बहुलों की टोली---

थाली फेंक के मैना भागीं
उड़ी तलैयाँ पीढ़े लागीं
गल बन गई-

गल बन गई "श्री बाबा श्री" भली

भूलों की टोली-----

बहुलों की टोली---

मैया जी मेरी डोली में चली-

गौरा जी मेरी डोली में चली--